FEDERATION OF ALL INDIA VYAPAR MANDAL
फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मण्डल
राष्ट्र के विभिन्न व्यापार मंडल एवं ट्रेड एसोसिएशन का राष्ट्रीय परिसंघ

Presentation

on

Single Point GST (एकल बिंदु जीएसटी)

Presentation on Single Point GST

वर्तमान GST व्यवस्था

वर्तमान जीएसटी प्रणाली के अंतर्गत जब जब भी सामान बेचा जाएगा तब तब प्रत्येक क्रेता से जीएसटी वसूला जाएगा और इनपुट क्रेडिट लेने के पश्चात जीएसटी सरकार के राजस्व में जमा करना होगा |

Presentation on Single Point GST

वर्तमान जीएसटी प्रणाली का सबसे बड़ा दोष

फैक्ट्री से लेकर उपभोक्ता तक, सामान कम से कम पांच कारोबारियों के हाथ से निकल कर जाता है

फैक्ट्री -- राज्य का C&F -- जिले का डिस्ट्रीब्यूटर -- क्षेत्र का थोक व्यापारी --- स्थानीय खुदरा व्यापारी -- उपभोक्ता

उपरोक्त में एक दो कड़ी जुड़ तो सकती है , कम होने की सम्भावना कम है

वर्तमान जीएसटी प्रणाली का सबसे बड़ा दोष

फैक्ट्री से लेकर उपभोक्ता तक की कड़ी में किसी भी एक पक्ष ने अपने हिस्से का जीएसटी या जीएसटी की विवरणी नहीं भरी तो पीछे वाले विक्रेता व्यापारी को जीएसटी के बराबर की आर्थिक हानि होगी एवं दंड भी भरना पड़ सकता है।

Presentation on Single Point GST

वर्तमान जीएसटी प्रणाली का सबसे बड़ा दोष

व्यापारी छोटा हो या बड़ा हो, शहर का हो या गांव का हो, प्रत्येक स्तर पर प्रत्येक व्यापारी को जीएसटी का अनुपालन करना पड़ता है।

Presentation on Single Point GST

दुकानदारों के समक्ष चुनौतियां

- अक्सर अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा के चलते दुकानदार कर चोरी का प्रयास करता है और उसका फायदा ग्राहक को दे देता है
- यदि कोई दुकानदार GST का पूर्ण अनुपालन करता है, पर उसका विक्रेता दुकानदार अपना GST विवरणी नहीं भरता, तो क्रेता दुकानदार को आर्थिक हानि उठानी पड़ती है जिसमे उसकी कोई गलती नहीं है |

Presentation on Single Point GST

दुकानदारों के समक्ष चुनौतियां

- दुकानदार ज्यादा पढे लिखे न होने कि कारण कर अनुपालन में पिछडा होता है
- कर अनुपालन में दुकानदार अक्सर CA, वकील या पार्ट टाइम अकाउंटेंट पर निर्भर है
- GST के अनुपालन के लिए सबसे ज्यादा जरूरी खाते एवं स्टॉक रजिस्टर uptodate होने चाहिय जो व्यापारी समय पर नहीं कर पाता ।

Presentation on Single Point GST

वर्तमान GST व्यवस्था में सरकार के समक्ष चुनौतियां

- पूर्व में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार 84 % GST विवरणी का इनपुट और आउटपुट का मिलान नहीं हो पाया ,इसका मतलब है कि कर दाताओ द्वारा या तो गलती से या जान बुझ कर गलत GST विवरणी दाखिल की जा रही है। ऐसी अवस्था में कर चोरी से भी इंकार नहीं किया जा सकता।
- GST में 1.24 करोड़ से भी ज्यादा करदाता पंजीकृत , पर GST विवरणी बहुत कम करदाताओं द्वारा ही भरी जा रही है |

Presentation on Single Point GST

वर्तमान GST व्यवस्था में सरकार के समक्ष चुनौतियां

- भारत की GST प्रणाली दुनिया के 115 देश जहां GST या इसके सामान कर प्रणाली है , सबसे ज्यादा पेचीदा और अधिक कर वाली है
- श्री बिबेक देबरॉय ,प्रधान मंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष के अनुसार GST को पूर्ण रूप से व्यवस्थित होने में 10 साल लगेंगे
- 95 प्रतिशत दूकानदार या तो कम्पोजीशन स्कीम में है या त्रिमासिक GST विवरणी के अंतर्गत I बाबजूद इसके कि GST पंजीकरण में 50 % की वृद्धि होने पर भी सरकार को GST में सिर्फ 80 से 85 प्रतिशत तक ही कर वसूल हो पा रहा है

Presentation on Single Point GST

वर्तमान GST व्यवस्था में सरकार के समक्ष चुनौतियां

National Institute of Public Finance and Policy, के एक अनुमान के अनुसार भारत में GST का औसत मासिक संगहण 1,09,616 होना चाहिय, जिसे बाद में सरकार ने बढ़ा कर 1,13,000 करोड़ कर दिया।

वास्तविक रूप से GST के 37 माह का औसत संग्रह रूपए 92,238 करोड़ है। वित्तीय वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 का औसत संग्रह रूपए 99,979 करोड़ रहा । अतः औसत मासिक टैक्स संग्रह अपने अनुमान से सिर्फ 85% ही हो पा रहा है।

Presentation on Single Point GST

वर्तमान GST व्यवस्था में सरकार के समक्ष चुनौतियां

37 माह में सिर्फ 11 माह GST का संग्रह 1 लाख करोड़ से ऊपर गया। और सिर्फ दो बार 1,10 लाख करोड़ से ऊपर गया। अतः 1,13,000 करोड़ मासिक संग्रह का जादुई आंकड़ा अभी बहुत दूर है।

Presentation on Single Point GST

वर्तमान GST व्यवस्था में सरकार के समक्ष चुनौतियां

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान जीएसटी चोरी / धोखाधड़ी की रिपोर्ट लगभग 80,000 करोड़ है , जीएसटी की चोरीधोखाधड़ी इसलिए हो पा रही है क्योंकि जीएसटी संग्रह के स्त्रोत (कम से कम पांच) बहुत ज्यादा है और पूरी कड़ी में किसी एक कड़ी का कमजोर होना कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

Presentation on Single Point GST

अशर्फी की लूट में कोयला पर मोहर

- गैर सेवा क्षेत्र के करदाताओं में निर्माता वर्ग की संख्या लगभग 10 से 15 प्रतिशत है और शेष संख्या दुकानदारों की है | किसी भी वस्तु में अंतिम निर्माता और उपभोक्ता के मध्यान सिर्फ 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत का औसत मूल्य संवर्धन (value addition) होता है और इस मूल्य संवर्धन पर दुकानदार वर्ग GST भरता है |

Presentation on Single Point GST

अशर्फी की लूट में कोयला पर मोहर

- अर्थात यदि निर्माता से ले कर उपभोग्ता तक एक वस्तु 3-4 दुकानदारों (जैसे C &F, वितरत, थोक व्यापारी, खुदरा व्यापारी इत्यादि) के माध्यम से पहुंचती है तो प्रत्येक दुकानदार के हिस्से में लगभग 5-7 प्रतिशत के मूल्य संवर्धन/value addition पर tax liabilty / कर देयता बनती है । अतः 85-90 प्रतिशत करदाताओं (दुकानदार) की हिस्से में सिर्फ 20-25 प्रतिशत GST की कर देयता आती है । जिसके लिए वर्तमान जटिलता पूर्ण न्याय संगत नहीं है ।

Presentation on Single Point GST

एकल बिंदु GST का परिकल्पना

सम्पूर्ण GST की वसूली अंतिम निर्माता से अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) पर कर ली जाए और थोक एवं खुदरा व्यापारिओं व जॉब वर्कर को GST की प्रक्रियाओं से मुक्त कर दिया जाए ।

Presentation on Single Point GST

एकल बिंदु GST की परिकल्पना

- सरकार का लक्ष्य उपभोक्ताओं को बेचे गए मूल्य पर GST वसूल करना है |
- यदि GST सिर्फ निर्माता पर लगाया जाए और वह भी खुदरा मूल्य (MRP) पर , सरकार का लक्ष्य निर्माता स्तर पर ही पूरा हो जाएगा |
- जब सरकार MRP पर निर्माता से ही GST वसूल कर चुकेगी तो सामान बेचने वाले दुकानदार GST की कर देयता और अनुपालन से मुक्त हो जाएगे I

Presentation on Single Point GST

वर्तमान GST संग्रहण की व्यवस्था

Assume MRP :100

Assume GST Rate :10%

Assume addition by Traders :25%

	BP/Pur	Profit		Inv Value	Out put GST	Invoice price	Input GST	Net GST Payable
		%	Amount					
Last Manufacturer	71.50	0%	0.00	71.50	7.15	78.65	0	7.15
C& F	71.50	5%	3.58	75.08	7.51	82.58	7.15	0.36
Distributor	75.08	5%	3.75	78.83	7.88	86.71	7.51	0.38
Whole seller	78.83	5%	3.94	82.77	8.28	91.05	7.88	0.39
Retailer	82.77	10%	8.28	91.05	9.10	100.15	8.28	0.83
Final Price to consumer/MRP	100.15				39.92		30.82	9.10

Presentation on Single Point GST

एकल बिंदु GST के अंतर्गत संग्रहण की व्यवस्था

Assume MRP :100

Assume GST Rate :10%

Assume addition by Traders :25%

Last Manufacturer	71.50	0%	0.00	71.50	9.10	80.60	0	9.10
C& F	71.50	5%	3.58	75.08	0.00	84.18	0.00	0.00
Distributor	75.08	5%	3.75	78.83	0.00	87.93	0.00	0.00
Whole seller	78.83	5%	3.94	82.77	0.00	91.87	0.00	0.00
Retailer	82.77	10%	8.28	91.05	0.00	100.15	0.00	0.00
Final Price to consumer/ MRP	100.15				9.10		0.00	9.10

एकल बिंदु GST के अंतर्गत संग्रहण की व्यवस्था

- सरकार को सिर्फ 10 से 15 प्रतिशत कर दाताओ पर नजर रखनी होगी और सरकार का कर वसूली का लक्ष्य निर्माता स्तर पर पूरा हो जाएगा |
- सरकार के GSTN की क्षमता खूब बा खुद बढ़ जाएगी |
- चूकि खुदरा मूल्य / MRP पर टैक्स निर्माता स्तर पर ही वसूला जा चूका है, कोई भी दुकानदार अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पायेगा |

Presentation on Single Point GST

एकल बिंदु GST के अंतर्गत संग्रहण की व्यवस्था

- यदि एक दुकानदार का 10 प्रतिशत समय ,जो अभी कर अनुपालन में लगता है , बच जाएगा तो वह अपना कारोबार बढ़ा पाएगा और युवाओ को ज्यादा रोजगार की अवसर प्राप्त हो सकेंगे । अर्थव्यवस्था की गति बढ़ेगी |

- अक्सर निर्माता वास्तविक खुदरा मूल्य को बढ़ा चढ़ा कर अंकित करते है और फिर मोटा डिस्कॉउंट देकर उपभोग्ताओ को भ्रमित करते है , MRP पर GST वसूल करने पर कोई भी निर्माता बढ़ा चढ़ा कर मूल्य अंकित नहीं कर पाएगा

Presentation on Single Point GST

एकल बिंदु GST के अंतर्गत सरकार को लाभ

- **कर चोरी को समाप्त करना**

  वर्तमान व्यवस्था में कर चोरी की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता । एकल बिंदु GST के अंतर्गत कर चोरी की सम्भावना लगभग शून्य समान होगी क्यूंकि कर दाता की संख्या कम होगी और यह करदाता संगठित क्षेत्र से होगा अतः कर अनुपालन में कोई कठिनाई नहीं होगी और सरकार द्वारा करदाता पर निगरानी आसानी से की जा सकेगी ।

Presentation on Single Point GST

एकल बिंदु GST के अंतर्गत उपभोक्ताओं को लाभ

- **वस्तुओ के मूल्य नियंत्रण**

  प्रस्तावित एकल बिंदु GST के अंतर्गत अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) पर GST की वसूली होनी है अतः MRP एक ऐसा बेस रेट बन जाएगा जिससे किसी भी स्तर का खुदरा व्यापारी छेड़छाड़ नहीं कर सकेगा और Anti Profiteering जैसे प्रावधानों की आवश्यकता ही नहीं रहेगी|

Presentation on Single Point GST

एकल बिंदु GST के अंतर्गत सरकार के concern

- **केंद्र और राज्यों के मध्य राजस्व का बटवारा**

  एकल GST व्यवस्था की अंतर्गत केंद्र एवं राज्यों की बीच कर का बटवारा कौंसिल द्वारा वर्तमान व्यवस्था से निकले फार्मूला, नीति आयोग द्वारा राज्यों की आवश्यकता एवं वित्त आयोग द्वारा निर्धारित फार्मूला के आधार पर किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर फेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया व्यापार मंडल को भी इस दिशा में अपने सुझाव देने में प्रसन्नता होगी ।

Presentation on Single Point GST

फैम द्वारा एकल बिंदु जीएसटी लागु करने की दिशा में किया गया प्रयास

अपने गठन से लेकर ही FAIVM जीएसटी के सरलीकरण एवं सुधारीकरण में राष्ट्र में सबसे ज्यादा प्रखरता से अपना दायित्व निभा रहा है।

फैम द्वारा देश के विभिन्न नगरों में जीएसटी महामंथन के नाम से कार्यक्रम आयोजित किये गए एवं व्यापारी वर्ग को जीएसटी के लिए जागरूक किया गया

Presentation on Single Point GST

फैम द्वारा एकल बिंदु जीएसटी लागु करने की दिशा में किया गया प्रयास

12 जनवरी 2018 में मालवंकर हॉल, कंस्टीटूशन क्लब, नयी दिल्ली में एक आल पार्टी जीएसटी महासम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमे सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के अनेको नेताओ द्वारा सहभागिता की गयी|

Presentation on Single Point GST

फैम द्वारा एकल बिंदु जीएसटी लागु करने की दिशा में किया गया प्रयास

12 जनवरी 2018 को जीएसटी महासम्मेलन के दौरान ही उपस्थित व्यापारी नेताओ द्वारा एकल बिंदु जीएसटी का आगाज़ किया गया।

तत्पश्चात फैम द्वारा माननीय प्रधान मंत्री जी को 20 मार्च 2018 को एकल बिंदु जीएसटी पर एक प्रेजेंटेशन भेजा गया, जिससे स्वयं माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा देखा गया।

Presentation on Single Point GST

फैम द्वारा एकल बिंदु जीएसटी लागु करने की दिशा में किया गया प्रयास

माननीय प्रधान मंत्री के निर्देशानुसार, उनके कार्यालय द्वारा तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री स्व श्री अरुण जेटली के साथ एक विस्तृत प्रेजेंटेशन हेतु समय दिया गया, जो उनके अस्वस्थता के चलते 16 अप्रैल 2018 को विस्तृत प्रेजेंटेशन तत्कालीन केंद्रीय वित्त सचिव श्री हसमुख अधिया जी को दिया गया।

Presentation on Single Point GST

फैम द्वारा एकल बिंदु जीएसटी लागु करने की दिशा में किया गया प्रयास

अपनी मांगे पूरी न होते देख फैम द्वारा 25 सितम्बर 2018 को जंतर मंतर पर एक विशाल धरना दिया गया जिसमे 1000 से ज्यादा व्यापारियों ने भाग लिया। फैम के आवहान पर इस धरने में राष्ट्र की प्रमुख 36 से भी ज्यादा व्यापारिक संस्थानों द्वारा भाग लिया गया।

Presentation on Single Point GST

फैम द्वारा एकल बिंदु जीएसटी लागु करने की दिशा में किया गया प्रयास

एकल बिंदु GST के मुद्दे पर एक आम सहमति बनाने हेतु FAIVM के तत्वाधान मे 29 अगस्त 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमे लगभग सभी राज्यों से प्रमुख व्यापारी नेताओं द्वारा भाग लिया गया और एकल बिंदु GST के पक्ष मे मांग की गयी.

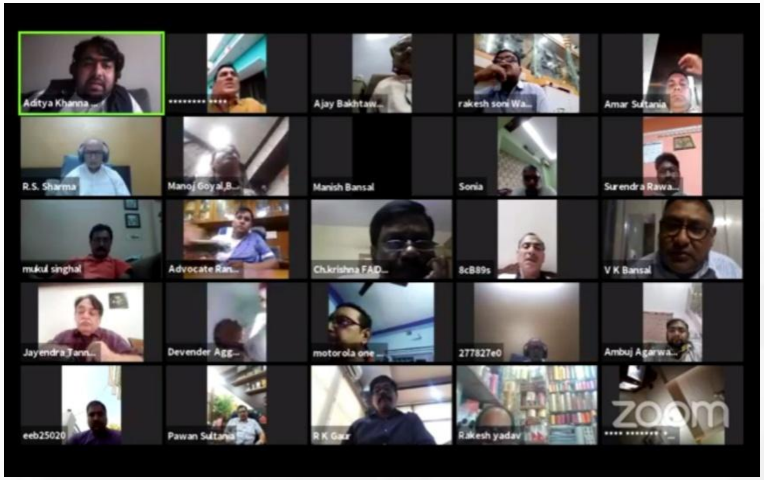

Presentation on Single Point GST

फैम द्वारा एकल बिंदु जीएसटी लागु करने की दिशा में किया गया प्रयास

तब से लेकर आज तक फैम लगातार एकल बिंदु GST की मांग उठा रहा है और व्यापारियों के मध्य जा कर उन्हें जागरूक भी कर रहा है जिससे व्यापारी जान सके कि एकल बिंदु जीएसटी राष्ट्र ,व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं के लिए कैसे लाभप्रद है।

GST से सम्बंधित फेडरेशन की खबरें ।

कारोबार — अमर उजाला — 13

एक राष्ट्र-एक कर के लिए पंजीकरण भी हो एक

सीजीएसटी, एसजीएसटी और आईजीएसटी नाम से तीन कर, व्यापारियों की मांग- तीनों की जगह एक हो कर

जनपथ समाचार

जीएसटी मुक्त करोबार के लिए आंदोलन करें व्यापारी : शरद

जीएसटी की जटिलताओं और विसंगतियों से व्यापार प्रभावित

जीएसटी परिषद की बैठक 6 अक्टूबर को

THE ECONOMIC TIMES

5 करोड़ तक टर्नओवर पर खत्म होगा एनुअल रिटर्न !

जीएसटी काउंसिल की बैठक में मिल सकती है 85% डीलर्स को राहत

जीएसटी मुद्दे पर व्यापारियों ने साझा किए विचार

अमर उजाला — दिल्ली — 2 Feb 2019

जीएसटी की पेचीदगी से छुटकारा दिलाने की मांग

दिल्ली

एक ही ट्रेड में कई तरह की जीएसटी दरों से माल की खरीद, बिक्री और रिटर्न में भारी परेशानी

GST की जटिलताओं का व्यापार पर पड़ रहा बुरा असर

रॉयल बुलेटिन

एकल बिन्दु जीएसटी पर व्यापार मंडल ने अधिया के समक्ष रखा अपना पक्ष

दिल्ली

जीएसटी : छोटे कारोबारियों को राहत देने की मांग

व्यापार नहीं, जीएसटी रिटर्न भरने में जुटे हैं व्यापारी

जटिलताएं और विसंगतियों से व्यापार पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव

एकल बिंदु जीएसटी को यूनिवर्सल ट्रेडर्स कंपोजीशन स्कीम लाने हेतु फेडरेशन का सरकार से अनुरोध

दैनिक जागरण

एकल बिंदु जीएसटी प्रणाली हो लागू

अमर उजाला — हमीरपुर

जीएसटी में राहत के बाद भी व्यापारिक गतिविधियां सुस्त

आर्थिक रूप से उबर नहीं पा रहे कारोबारी : शर्मा

माननीयों के समक्ष व्यापारियों ने किया नई कर प्रणाली जीएसटी का महामंथन

जीएसटी की तीन दर्जन से ज्यादा विसंगतियों पर हुई चर्चा सरकार को सौंपा जाएगा मांग पत्र

दबंग दुनिया

सरलीकरण के लिए सौंपेंगे मांग पत्र

जीएसटी को और सरल बनाने के लिए महामंथन

अमर उजाला — कारोबार — शुक्रवार, 6 सितंबर 2019

जीएसटीआर-1 में मिले संशोधन की सुविधा

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल ने सरकार से जीएसटीआर09 से पहले मासिक/त्रैमासिक भरने वाले जीएसटीआर01 में संशोधन की सुविधा दिए जाने की मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री वी के बंसल ने कहा कि इस संबंध में वित्त

हिन्दुस्तान — 5-11-2019

फायदेमंद होगी एकल बिन्दु जीएसटी प्रणाली

07 — देहरादून • सोमवार • 21 मई 2018 — **हिन्दुस्तान**

एकल बिंदु जीएसटी से सरकार को भी फायदा

जीएसटी

देहरादून | कार्यालय संवाददाता

फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल की ओर से एकल बिंदु जीएसटी पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें व्यापारियों ने पुरजोर ढंग से सरकार से एकल बिंदु जीएसटी लागू करने की

परिचर्चा

- डब्ल्यूआईसी में एकल बिंदु जीएसटी पर परिचर्चा का आयोजन
- व्यापारी बोले, सरकार जल्द लागू करे एकल बिंदु जीएसटी

अमरउजाला — देहरादून — 10

देश में लागू हो एकल बिंदु जीएसटी व्यवस्था

8 miscellany — गुरुवार, 18 जनवरी, 2018 — DLA

जीएसटी की विसंगतियों पर चर्चा, सौंपा जाएगा मांग पत्र

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के तत्वावधान में दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब के मावलंकर हाल में आयोजित जीएसटी के महामंथन कार्यक्रम में राष्ट्रीय दलों के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष देश भर के व्यापारी नेताओं ने नई कर प्रणाली से व्यापार में आ रही दिक्कतों पर व्यापक चर्चा करते हुए इसमें सुधार किए जाने की पुरजोर मांग की है। लगभग तीन घंटे से अधिक चले इस मंथन में

फेडरेशन के इस गैर राजनीतिक कार्यक्रम में लगभग सभी प्रमुख दलों के वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की, जिसमें वरिष्ठ नेता शरद यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू, टीएमसी के विवेक गुप्ता और एनसीपी के डीपी त्रिपाठी ने जीएसटी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसमें व्यापक सुधार किए जाने की व्यापारियों की मांग का समर्थन किया।

जीएसटी को और सरल बनाने के लिए महामंथन

जीएसटी पर महामंथन में बोले राष्ट्रीय दलों के नेता

जीएसटी मुक्त कारोबार के लिए आंदोलन करें व्यापारी

नवभारत टाइम्स

5 करोड़ रुपये तक टर्नओवर पर खत्म होगा ऐनुअल GST रिटर्न!

THE ECONOMIC TIMES

दिल्ली हाट/कमोडिटी

₹5 करोड़ तक टर्नओवर पर खत्म होगा एनुअल GST रिटर्न

GST काउंसिल 20 सितंबर की बैठक में कर सकती है 85% डीलरों को राहत देने का फैसला

दैनिक व्यापार केसरी

जीएसटी पर फेडरेशन ने माँगा सुरेश प्रभु से सहयोग

नई दिल्ली 8 नवंबर (एनएनएस) फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के एक प्रतिनिधिमंडल ने सुरेश प्रभु पूर्व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा वर्तमान में माननीय प्रधानमंत्री जी के शेरपा से भेंट की। प्रतिनिधि मंडल, जिसमें वी.के. बंसल, राधे श्याम शर्मा एवं राजेश्वर पैन्यूली सम्मिलित रहे, का प्रमुख उद्देश्य एकल बिंदु जीएसटी के विचार पर सुरेश प्रभु को विस्तृत रूप से अवगत कराना और यदि वह सहमत होते है तो उक्त विचार को भारत सरकार एवं माननीय प्रधान मंत्री जी तक पहुंचाने में फेडरेशन का मार्ग दर्शन था। फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल को यह जानकर हर्ष की अनुभूति हुई कि सुरेश प्रभु पहले से ही फेडरेशन द्वारा चलाये जा रहे एकल बिंदु जीएसटी व्यवस्था अभियान से पूर्ण अवगत थे और सहमत भी थे। यह भी जानकर प्रसन्नता हुई कि सुरेश प्रभु को फेडरेशन द्वारा विभिन्न मुद्दों पर सम्पूर्ण जानकारी थी।

सुरेश प्रभु ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही वह फेडरेशन के शीर्ष प्रतिनिधियों के साथ एकल बिंदु जीएसटी के विचार पर एक ब्लू प्रिंट तैयार करेंगे। फेडरेशन द्वारा कुछ अन्य विषय पर भी विस्तृत चर्चा हुई, इसमें प्रमुख रूप से देशी कारोबारियों को व्यापार करने में सुगमता, केंद्र सरकार स्वास्थ्य सुविधा का व्यापारियों को स्व वित्त पोषण व्यवस्था के अंतर्गत सुविधा एवं उद्योग, सेवा एवं व्यापार क्षेत्र का एकीकरण शामिल है।

Business Today

GST Council meet: Taxpayers seek simplification of annual return form

As the GST Council is slated to meet on Friday, one issue wh... some quarters of taxpayers are asking for urgent hearing is th... simplification of the GST annual return form GSTR-9. While the Council is likely to exempt taxpayers with up to Rs 2 cror... turnover from filing annual return for 2017-18 and 2018-19, businesses have been instead asking for simplification of the GSTR-9 form.

डेडलाइन टलने के आसार, ट्रेडर चाहते हैं सरलीकरण

दो हफ्ते में 82% लोग कैसे भरेंगे GST रिटर्न?

अब तक 18% लोगों ने ही भरा है जीएसटी का पहला सालाना रिटर्न, आखिरी तारीख 31 अगस्त

जागरण

पीएम मोदी की सहमति, निर्णात स्तर पर हो जीएसटी लागू

जागरण

एकल जीएसटी के समर्थन में एकजुट हुए व्यापारी

पूर्वांचल प्रहरी — गुवाहाटी, 11 जनवरी, 2018

जीएसटी को और सरल बनाने के लिए महामंथन कल

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) में हाल में किए बदलावों

सन्मार्ग — देश-विदेश — 11

जीएसटी को और सरल बनाने के लिए महामंथन

Presentation on Single Point GST

धन्यवाद

आपके सुझाव आमंत्रित है

Central Office : 1206, Pragati Tower, 26, Rajendra Place, New Delhi-110008

9711900645 011-49270605

info@vyaparmahamandal.com

facebook.com/FAIVM **@FederationOfVM**